कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

गृह विज्ञान संकाय प्रथम वर्ष (2021–22) वार्षिक प्रणाली

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना

क.	विषय	सैद्धांतिक		प्रायोगिक		योग
01.	अनिवार्य पाठ्यक्रम	आंतरिक	बाह्य	आंतरिक	बाह्य	कुल
I	भाषा एवं संस्कृति	–	50	–	–	50
II	अंग्रेजी भाषा	–	50	–	–	50
III	योग एवं ध्यान	–	50	–	–	50
IV	पर्यावरण	–	50	–	–	50
02	मुख्य विषय					
	मेजर – I	30	70	30	70	200
	मेजर – II	30	70	30	70	200
	माइनर –	30	70	30	70	200
I	आहार एवं पोषण	–	–	–	–	–
II	वस्त्र विज्ञान के आधार	–	–	–	–	–
III	पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंधन	–	–	–	–	–
iv	मानव शरीर किया विज्ञान	–	–	–	–	–
03	वैकल्पिक विषय (कोई एक)	30	70	30	70	200
I	शारीरिक शिक्षा	–	–	–	–	–
II	कम्प्यूटर फंडामेंटल	–	–	–	–	–
III	दैनिक जीवन में रसायन	–	–	–	–	–
IV	प्रयोजन मूलक हिंदी और जनसंपर्क	–	–	–	–	–
V	स्प्रेड शीट के माध्यम से डॉटा विश्लेषण	–	–	–	–	–
VI	हिन्दी अनुप्रयोग एवं विज्ञापन	–	–	–	–	–
VII	बिजनिस मैथ्स	–	–	–	–	–
VIII	बैंकिंग इंशोरेंस	–	–	–	–	–
IX	प्राथमिक उपचार	–	–	–	–	–
X	ग्रामीण विकास एवं प्रसार					
04	कौशल संवधन (कोई एक)	30	70	30	70	200
I	हस्तशिल्प	–	–	–	–	–
II	जैविक खेती	–	–	–	–	–
III	वर्मी कम्पोस्ट	–	–	–	–	–
IV	बगवानी	–	–	–	–	–
V	डेयरी प्रबंधन	–	–	–	–	–
05	प्रोजेक्ट् इंटर्नशिप/सामुदायिक जुडाव	–	50	–	50	100
					कुल योग–	1300

परीक्षा प्रभारी

डॉ.इंदुबाला मालवीय

डॉ.कीर्ति यादव

प्राचार्य

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
वार्षिक परीक्षा प्रणाली 2021–2022
कक्षा – बी.एच.एस.सी. प्रथम वर्ष
विषय – गृह विज्ञान
प्रष्न पत्र – प्रथम
प्रश्नपत्र का नाम – आहार एवं पोषण
पाठ्यक्रम कोड :– H1- HSCA1T

इकाई	विषय
इकाई–1	1. भोजन की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 2. भोजन और पोषण में बुनियादी अवधारणाएं 2.1 भोजन और पोषण की परिभोषाएं 2.2 भोजन, पोषण और स्वास्थ्य के बीच संबंध 2.3 भोजन के कार्य – शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक 2.4 संतुलित पोषण, पर्याप्त पोषण अनुकूलतम और अच्छा पोषण, कुपोषण 3. पोषक तत्वों का वर्गीकरण 4. कार्बोहाइड्रेट – 4.1 स्रोत, वर्गीकरण तथा पाचन 4.2 कार्य और आरडीए. 4.3 कमी और अधिक सेवन के प्रभाव
इकाई–2	**पोषक तत्व भाग – (भाग 1)** 1. Åर्जा – 1.1 कैलोरी की परिभाषा, खाद्य पदार्थों का कैलोरी मान 1.2 Åर्जा आवष्यकता को प्रभावित करने वाले कारक 1.3 आरडीए., Åर्जा की कमी और अधिक सेवन 2. प्रोटीन – 2.1 संगठन एवं स्रोत 2.2 वर्गीकरण 2.3 कार्य, आरडीए. 2.4 कमी और अधिक सेवन
इकाई–3	**पोषक तत्व भाग – (भाग 2)** 1- fyfiM – 1.1 संगठन एवं स्रोत 1.2 वर्गीकरण 1.3 कार्य, आरडीए. 1.4 कमी और अधिक सेवन 2- विटामिन – 2.1 परिभाषा और वर्गीकरण 2.2 कार्य, स्रोत, आरडीए. 2.3 वसा में घुलनषील विटामिन ए, डी, ई, के,, की कमी और अधिकता 2.4 पानी में घुलनषील विटामिन – विटामिन–बी काम्प्लेक्स, विटामिन–सी
इकाई–4	**पोषक तत्व भाग – (भाग 3)** 1- [kfut you@yo.k – 1.2 स्रोत तथा कार्य 1.2 आरडीए. तथा अवशोषण को प्रभावित करने वाले कारक 1.3 कैल्षियम, लोहा सोडियम और आयोडीन, मैगिनिषयम, पोटेषियम क्लोराइड के कार्य तथा अतिरिक्त सेवन ओर कमी 2- द्रव पदार्थ तथा इलेक्ट्रोलाइट संतुलन – जल के कार्य तथा इलेक्ट्रोलाइट अविरत.....2

इकाई–5	भोज्य समूह – 1- HkksT; lewg – चयन, पोषण योगदान तथा खाना पकाने के दौरान परिवर्तन: 1.1 अनाज और दलहन 1.2 फल और सब्जियां 1.3 दूध और दूध के उत्पाद 1.4 अंडा, मछली, मांस तथा कुक्कुट 1.5 वसा और तेल शर्करा
इकाई–6	1. पोषक तत्वों का मूल्य संवर्धन – 1.1 अंकुरण, माल्टिंग तथा किण्वन 1.2 संपूरण, संवर्धन और दृढ़ीकरण 1.3 पायस, फोम, जेल, कोलाइडयन विलयन 1.4 सलाद ड्रेसिंग के प्रकार 2. खाना पकाने की विधियाँ – पकाने के माध्यम तथा विधियाँ – 2.1 गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद के लिए उचित खाना पकाने की तकनीक का चयन 2.2 एक या अधिक व्यक्तियों के लिए सर्विंग साइज 2.3 खाना पकाने के दौरान पोषक तत्वों की हानि को कम करना
	संदर्भ ग्रंथ – 1. Anita F.P., Clinical dietetics and nutrition, Oxford university press 2010 2. Khanna K. Gupta S. et.al. The Art and Science of Cooking, Seth R. Mahna R Rekhi T. 3. Raina U., Kashyap S. Narula V. Thomas s. Suvira, Vir S. Chopra S.Basic Food Preparation: Practical Manual, Revised Editin, Elite Publishing House Pvt.Ltd. 2010 4. Khanna K. gupta S. Seth R. Mahna R.The art ad science of Cooking Rekhi T, 2004 5. Raina U.. Kashyap S. Narula V. Thomas s.Suvira, Vir S. Chopra S. Basic Food Preparation: Practical Manual, Revised Editin, Elite Publishing House Pvt.Ltd. 2010 6. Bamji MS, Krishnaswamy K. Brahmam, Textbook of Human Nutritin, GNV, 3rd edition. Oxford and IHB Publishing Co. Pvt. Ltd. 2009 7. Srilakshmi Food Science, New Aga International Ltd. 2007 4th Ediction. 8. Wardlaw and insel MG perspectives in Nutrition, Insel PM Sixth Edition Mosby. 2004 9. Chadha R. and Mathur P. Nutrition: A life cycle Approach, Orient Blackswan, Delhi 2015 10. पल्टा, डॉ.अरूणा: आहार एवं पोषण – पिवा प्रकाषन, इंदौर 2003

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
वार्षिक परीक्षा प्रणाली 2021–2022
कक्षा–बी.एच.एस.सी. प्रथम वर्ष
विषय – गृह विज्ञान
प्रश्न पत्र – द्वितीय
प्रश्नपत्र का नाम– वस्त्र विज्ञान के आधार
पाठ्यक्रम कोड :– H1- HSCA2T

इकाई	विषय
इकाई–1	1. परिचय एवं एतिहासिक पृष्ठ भूमि – 1.1 भारत और भारतीय संस्कति के परिपेक्ष्य में टेक्सटाइल्स की संक्षिप्त एतिहासिक पृष्ठभूमि। 1.2 टेक्सटाइल की परिभाषा और टेक्सटाइल की शब्दावली 1.3 वस्त्र प्रयोगी रेशें का वर्गीकरण 1.4 पॉलीमराइजेषन का परिचय और रेषों का आण्विक संगठन 1.5 रेषों की भौतिक और रायनिक विषेषताएं
इकाई–2	रेशे, रेषों का उद्भव – इतिहास, उत्पादन, विषेषताएं और उपयोग – 1. प्राकृतिक रेषे – 1.1 वनस्पतिक रेशे – कपास, लिनन, जूट 1.2 जान्तव रेषे – उन, रेषम 2. मानव निर्मित रेषे – 2.1 रेयान, विस्कोस एवं ऐसीटेट रेयान 2.2 नायलॉन 2.3 पॉलीएस्टर 2.4 एक्रिलिक रेषे
इकाई–3	सूत एवं वस्त्र – 1- सूत – 1.1 सूत निर्माण प्रक्रिया : यांत्रिक कताई, रासायनिक कताई 1.2 सूत का वर्गीकरण : साधारण, जटिल, टेक्सचर्ड 1.3 सूत की विषेषताएं – सूत गणना प्रणाली, सूत ऐंठन 1.4 मिश्रित तंतु – प्रकार और उद्देष्य 2- बुने हुए वस्त्र – 2.1 करघा – करघे के भाग और करघे की गतियां 2.2 वर्गीकरण – आधारीय बुनाईयॉ – सादी, ट्वील, सेटीन, साटीन 2.3 नॉवेल्टी बुनाईयॉ – पाइल, लीनो – गॉज, हनीकोम्ब, इक्काबैक, बर्डस आई 3- निटेड वस्त्र – 3.1 प्रयुक्त शब्दावली 3.2 निटिंग के प्रकार : हाथ की निटिंग, मषीन नीटिंग 4- बिना बुने वस्त्र एवं फेल्टस – 4.1 निर्माण, उपयोग, विषेषताएं
इकाई–4	वस्त्र रंगाई और परिसज्जा – 1.1 1.2 रंजकों का वर्गीकरण 1.3 रंगाई की विधियॉ – साधारण, पैड, क्रॉस, डोप, टॉप, यूनीयन रंगाई 1.4 रंगाई के अवयव और रंजक सामग्री से उसका संबंध (सहायक,ताप,रंजक,घोल)

अविरत....2

	1- छपाई – 2.1 छपाई के प्राकर–ठप्पा, स्टेंसिल, स्कीन, रोलर (अवरोधक छपाई (वंधेज, बाटिक) 2.2 छपाई की आधुनिक विधियॉ – डुप्ले, डिस्चार्ज, फ्लॉक, ब्लॉक, निस्तरण 2.3 छपाई के पूर्व तैयारी (छपाई का पेस्ट, छपाई टेबल) **2- परिसज्जाएं –** 3.1 आधारीय परिसज्जाऐं – सिजिंग, स्कॉरिंग, ब्लीचिंग, साइजिंग, वजन वढाना, गोंद हटाना, मरसराइजिंग, सेनफॉराइजिंग, कैलेंडरिंग। 3.2 विषिष्ट परिसज्जाऐं – सलवट प्रतिरोधकता, जलभेद एवं जल निवारक, अज्वलनषील परिसज्जा, डबल प्रेस, सॉयल रिलीज, एंटी पिलिंग
इकाई	**प्रायोगिक –**
1.	तंतुओं की पहचान–प्राकृतिक और मानव निर्मित रेषों की पहचान निम्न तीन विधियों द्वारा – सूक्ष्मदर्शीय परीक्षण, ज्वलन परीक्षण, घुलनशील परीक्षण
2.	वस्त्र की विषेषताएं – वस्त्र गणना पिक ग्लास द्वारा, संकुचन
3.	विभिन्न आधारीय एवं नॉवेल्टी बुनाईयों के सैम्पल तैयार करना
4.	प्रत्यक्ष रंजक द्वारा सूती धागे एवं वस्त्र की रंगाई
5.	वस्त्र छपाई – 1. प्रत्यक्ष तरीके द्वारा – ठप्पा, स्टेंसिल, स्कीन 2. अवरोधक तरीके द्वारा – बंधेज, बाटिक
	संदर्भ ग्रंथ– 1. वर्मा डॉ.प्रमिला वस्त्र विज्ञान एवं परिधान, बिहार एवं मध्य प्रदेष हिंदी ग्रंथ अकादमी 2. पाटनी, डॉ.मंजू एवं अग्रवाल, श्रीमती रजनी, वस्त्र विभान एवं परिधान व्यवस्था, षिवा प्रकाषन, इंदौर 3. गुप्ता, सुषमा गर्ग, नीरू सैनी, रेणु, परिधान एवं वस्त्र विज्ञान, कल्याणी पब्लिकेषन

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
वार्षिक परीक्षा प्रणाली 2021–2022
कक्षा – बी.एच.एस.सी. प्रथम वर्ष
विषय – गृह विज्ञान
प्रष्न पत्र – द्वितीय
प्रश्नपत्र का नाम – पारिवारिक संसाधन प्रबंध
पाठ्यक्रम कोड :– H1- HSCB2T

इकाई	विषय
इकाई–1	**पारिवारिक संसाधन प्रबंध –** 1. पारिवारिक संसाधन प्रबंध का परिचय : 1.1 अवधारणा, परिभाषा, महत्व, दर्ष्न, सार्वभौमिकता एवं क्षेत्र 1.2 पारिवारिक जीवन चक्र की अवस्थाएं एवं उपअवस्थाएं 1.3 प्रबंध को प्रभावित करने वाले कारक 1.4 पारिवारिक प्रबंध प्रणाली 1.5 पारिवारिक सांधन प्रबंध के प्रेरणात्मक कारक 1.5.1 मूल्य, लक्ष्य एवं स्तरः: अर्थ विषेषताएं, वर्गीकरण
इकाई–2	**संसाधन –** 1. **संसाधन का परिचय –** 1.1 अवधारणाएं 1.2 वर्गीकरण 1.3 पारिवारिक संसाधनों की विषेषताएं 1.4 संसाधनों के उपयोग को प्रभावित करने वाले कारक 1.5 संसाधनों का अधिकतम उपयोग 1.6 पारिवारिक जीवन चक्र की विविध अवस्थाओं एवं उपअवस्थाओं में समय,षक्ति एवं धन की मॉग 1.7 प्राकृतिक संसाधनः– नवीकरणीय और अनवीकरणीय
इकाई–3	**प्रबंध प्रक्रिया –** **1-** प्रबंध प्रक्रिया – परिभाषा एवं प्रबंध प्रक्रिया के चरण – 1.1 आयोजन – प्रकृति, महत्व, विषेषताएं, आयोजन के प्रकार एवं चरण 1.2 संगठन – महत्व, संगठन की प्रक्रिया एवं संगठन के चरण 1.3 नियंत्रण – अर्थ महत्व, नियंत्रण के चरण, नियंत्रण को प्रभावित करने वाले कारक, निर्देषन एवं मार्गदर्षन 1.4 मूल्यांकन, अर्थ, प्रकार, महत्व, स्व. मूॅल्यांकन की तकनीके **2- निर्णय लेना –** 2.1 अवधारणा, परिभाषा 2.2 निर्णय के प्रकार 2.3 निर्णय लेने की प्रक्रिया के चरण 2.4 निर्णय लेने की किया को प्रभावित करने वाले कारक **3- इवेंट प्रबंध –** 3.1 अवधारणा 3.2 वर्गीकरण 3.3 इवेंट प्रबंध के चरण सार बिंदुः प्रबंध प्रकिया आयोजन, संगठन, नियंत्रण, मूल्यांकन, निर्णय लेना, इवेंट प्रबंध।

अविरत....2

इकाई–4	**विशिष्ट संसाधन प्रबंध –** **1- समय प्रबंध –** 1.1 अवधारणाएं 1.2 उपकरण 1.3 समय प्रबंध प्रक्रिया के चरण **2- धन प्रबंध –** 2.1 आय के प्रकार 2.2 स्रोत 2.3 धन प्रबंध प्रक्रिया के चरण – बजट बनाना, नियंत्रण और मूल्यांकन **3 शक्ति प्रबंध –** 3.1 अवधारणा, महत्व 3.2 प्रयासों के प्रकार 3.3 शरीर यांत्रिकी की अवधारणा 3.4 शक्ति मूल्य के आधार पर गतिविधियों का वर्गीकरण 3.5 थकान – थकान के प्रकार, थकान को दूर करने के उपाय **4 कार्य सरलीकरण –** 4.1 परिभाषा, महत्व 4.2 सिद्धांत 4.3 मुडेल के परिवर्तन के वर्ग 4.4 तकनीकें सार बिंदुः समय प्रबंधन, शक्ति प्रबंध, धन प्रबंध, बजट, थकान, कार्य सरलीकरण।
	संदर्भ ग्रंथ – 1. पाटनी मंजु (2005) गृह प्रबंध, स्टार पब्लिकेषन आगरा 2. पाटनी मंजु (2019) फैमिली डायनामिक्स स्टॉर पब्लिकेषन आगरा 3. सिंह दिव्या रानी, पारिवारिक संसाधन प्रबंध, बुक ओसियन पब्लिकेषन 4. खनुजा रीना, गृह प्रबंध, साधन व्यवस्थापन एवं आंतरिक सज्जा 5. शर्मा करूणा, पारिवारिक संसाधन प्रबंध, षिवा प्रकाषन, इंदौर

———

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
वार्षिक परीक्षा प्रणाली 2022–2023
कक्षा– बी.एच.एस.सी. प्रथम वर्ष
विषय – गृह विज्ञान/विज्ञान
प्रश्न पत्र – द्वितीय ¼प्रायोगिक½
प्रश्नपत्र का नाम–पारिवारिक संसाधन प्रबंध का अनुप्रयोग
पेपर कोडः H1-HSCB2P

इकाई	विषय
1	एक अकादमिक सत्र के लिए लक्ष्य निर्धारण करना
2	मूल्यों के प्रति समझ विकसित करना – संबंधित आलेख, कहानियों आदि का संग्रह
3	संसाधनों की पहचान करना – स्वयं के पास उपलब्ध मानवीय एवं भौतिक संसाधनों को एवं उनके लाभ को पहचान कर सूचीबद्ध करना
4	स्वयं की पहचान एक संसाधन के रूप में करना – SWOT विश्लेषण
5	परिवारिक जीवन चक्र की अवस्थाओं का सर्वेक्षण अनुसूची विधि द्वारा करना
6	प्रबंधकीय खेल एवं भूमिका निर्वाह के माध्यम से निर्णय लेने की क्षमता का निर्माण करना
7	किसी अवसर के लिए इवेंट प्रबंध करना – प्रबंध प्रक्रिया और मूल्यांकन निम्न के संदर्भ में– 1. प्रबंध प्रक्रिया 2. संसाधन अनुकूलन – समय, धन, सामग्री, स्थान और मानवीय पूंजी
8	स्वयं के लिए समय आयोजन करना
9	मध्यम आयवर्गीय परिवार के लिए बजट बनाना
10	किन्ही दो घरेलू क्रियाओं को प्रक्रिया चार्ट विधि के उपयोग के द्वारा सरलीकृत करना
	♦ Reference Books – 1- Bhargava B. 2005 Family Resource Management and Decoratin. Jaipur Apple Printer and V.R. Printers. 2- Deacon R.F. Firebaugh. FM. 1995 Home Management Context and concept Boston. Houghton Mifflin Company. 3- Gandotra V. and Jaiswal N. 2008 Management in Home, New Delhi. dominant Publisher and Distributer 4- Gross IH Crandall and Knoll MM, EW Management for modern Families, New Jersey Prelice Hall Inc. 5. Koontz H and O,Donnel C Management A system and Contingency Anelysis of Managerial Functions, New York MC Graw Hill Book Company.

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
वार्षिक परीक्षा प्रणाली 2021–2022
कक्षा – बी.एच.एस.सी. प्रथम वर्ष
विषय – मानव शरीर क्रिया विज्ञान
पाठ्यक्रम कोड :– H1- HSCC1T

इकाई	विषय
इकाई–1	1. मानव शरीर के प्रणालियों का परिचय 2. कौषिका – 2.1 संरचना, कार्य एवं विभाजन 3. उतक – 3.1 वर्गीकरण, संरचना और कार्य 4. अस्थी प्रणाली – 4.1 अस्थियाँ – संरचना, कार्य एवं प्रकार 4.2 सिर एवं चेहरे, धड, पैर एवं हाथ की अस्थियाँ, मेरूदंड जोड एवं कलाई – प्रकार एवं कार्य
इकाई–2	**1. रक्त :** 1 कार्य एवं संरचना – प्लाज्मा, रक्त कणिकाऐं 2 थक्के का समय और प्रक्रिया, रक्तस्राव का समय, रक्त समूह **2. रक्ताभिसरण प्रणाली :** 2.1 धमनी, कोषिकाओं और षिराओं की संरचना और कार्य 2.2 हृदय संरचना और कार्य, हृदय धडकन, हृदय गति, हृदय ध्वनि 2.3 रक्तचाप – कार्य और मापन
इकाई–3	**1. श्वसन प्रणाली :** 1.1 श्वसन अंग 1.2 फेफडे, श्वांस नलिका, श्वांस वाहिनी एवं एलवोलाई की संरचना एवं कार्य 1.3 श्वसन की प्रक्रिया, गैसीय विनिमय, श्वसन क्रिया का नियंत्रण, फेफडों की धारिता **2. पाचन तंत्र :** 2.1 पांचन के अंगों की संरचना एवं कार्य, पाचन एवंअवषोषण की प्रक्रिया 2.2 आमाषय, छोटी ऑत एवं बडी ऑत संरचना एवं कार्य 2.3 अग्न्याषय एवं यकृत – संरचना एवं कार्य 2.4 लार ग्रंथिया एवं दांत – संरचना एवं कार्य
इकाई–4	**1. उत्सर्जन प्रणाली :** 1.1 मूत्र मार्ग की संरचना एवं कार्य – वृक्क–वृक्काणू (नेफ्रॉन), मूत्र वाहक नलिका, मूत्राषय एवं मूत्रमार्ग 1.2 मूत्र – संगठन एवं निर्माण प्रक्रिया अविरत.....2

	3. त्वचा – 3.1 संरचना तथा कार्य 3.2 शारीरिक तापक्रम एवं इसका नियमन **4. तंत्रिका तंत्र –** 4.1 न्यूरॉन की रचना, कार्य एवं प्रकार 4.2 केंद्रीय तंत्रिका तंत्र 4.3 मष्तिष्क संरचना, मष्तिष्क के भाग एवं उनके कार्य 4.4 सुषुम्ना नाडी – संरचना, कार्य, प्रतिवर्ती क्रिया 4.5 मष्तिष्क एवं सुषुम्ना से निकलने वाले नाडी तंतु 4.6 स्वायत्त नाडी संस्थान – सिंपैथेटिक नाडी संस्थान, पैरासिंपैथेटिक नाडी संस्थान
इकाई–5	**1. अंतस्रावी ग्रंथियां – निम्नलिखित ग्रंथियों की संरचना एवं कार्य –** 1 पिट्यूटरी ग्रंथि 2 थायराइड ग्रंथि 3 पैरा थायराइड ग्रंथि 4 पीनियम बॉडी 5 थायमस 6 पैंक्रियास 7 एड्रिनल ग्रंथि 8 अंडाषय तथा वृषण 9 प्रजनन प्रणाली – 9.1 पुरूष प्रजनन अंग – संरचना तथा कार्य 9.2 स्त्री प्रजनन अंग – संरचना तथा कार्य
	संदर्भ ग्रंथ : 1- भावे वी. ना., शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान, प्राथमिक चिकित्सा, षिवा प्रकाषन, इंदौर 2- पीयर्स एवलिन, Anotomy and physiology, vol.I and II ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली 3- Chatterjee C.C 'Human Physiology', Vol.I & II, New Central book agecy 1998 4- Chaudhary B.D. "Concise Physiology' – CBS Publishers and distrubuters 2008 5- Murugesh N.Anatomy Physiology and Health education, Satya publishers, Madurai. 6- वर्मा,डॉ.प्रमिला, पाण्डेय कांति, शरीर क्रिया विज्ञान, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेषालय, दिल्ली।

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

वार्षिक परीक्षा प्रणाली 2021–2022

कक्षा– बी.एच.एस.सी. प्रथम वर्ष

विषय – गृह विज्ञान

प्रश्न पत्र – प्रथम

प्रश्नपत्र का नाम – जीवनकाल विकास

इकाई	विषय
इकाई–1	**1. मानव विकास का परिचय –** 1.1 मानव विकास की अवधारणा, इतिहास और क्षेत्र। 1.2 मानव विकास की विकासात्मक अवस्थाओं का संक्षिप्त विवरण। 1.3 मानव विकास का अंतर विषयक संबंध। 1.4 मानव विकास अध्ययन विधि साक्षात्कार, अवलोकन, व्यक्ति अध्ययन। **2 वैयक्तिक विकास –** 2.1 वैयक्तिक भिन्नता की अवधारणा, प्रकृति। 2.2 वैयक्तिक विकास का महत्व और क्षेत्र। **3 विकासात्मक कार्य –** 3.1 विकासात्मक कार्यों की अवधारणा, आवष्यकता, महत्व। 3.2 विभिन्न अवस्थाओं के विकासात्मक कार्य। 3.3 विकासात्मक कार्यों के निर्धारण। **4 वृद्धि एवं विकास –** 4.1 वृद्धि एवं विकासः अर्थ, वृद्धिलय, वृद्धि और विकास में अंतर। 4.2 विकास के सिद्धांत। 4.3 वृद्धि एवं विकास के निर्धारण। **5 अनुवंषिकता –** 5.1 आनुवंषिकता : अर्थ, आनुवंषिकता के आधार, नियम। 5.2 आनुवांषिकता के प्रभावित करने वाले कारक। 5.3 लिंग निर्धारण, आर.एच. कारक। **6 पर्यावरण –** 6.1 पर्यावरण : अर्थ और परिभाषा। 6.2 काल विकास पर पर्यावरण का प्रभाव।
इकाई–2	**1. जन्म पूर्व विकास –** 1.1 मातृ स्वास्थ्य, प्रसव पूर्व देखभाल। 1.2 गर्भावस्था के दौरान जटिलताएँ। 1.3 प्रथम, द्वितीय, तृतीय, तिमाही जन्म प्रकिया और प्रकार। 1.4 गर्भावस्था और जन्म से संबंधित सांस्कृतिक प्रचलन। 1.5 नवजात की क्षमताएं और देखभाल। 1.6 शैषवावस्था में विकास के मानदंड और मील के पत्थर।

अविरत.....2

इकाई–3	**3. शैषवावस्था और वत्सावस्था –** 3.1 शैषवावस्था और वत्सावस्था की विषेषताएं और विकासात्मक कार्य। 3.2 शारीरिक और कियात्मक विकास सामान्य प्रचलन, षिषु की गतिविधियों (सामान्य और विषष्टि) मील के पत्थर, कियात्मक कौषल (स्थूल और सूक्ष्म मांसपेषियों का विकास)। 3.3 शैषवास्थाा में संवेग, विषेषता, संवेगात्मक अभिव्यक्ति। 3.4 सामाजिक व्यवहार के प्रतिमान और भाषा विकास। 3.5 बाल पालन–पोषण विधियॉ, टीकाकरण,शैषवावस्था और बाल्यावस्था के दौरान सामान्य बीमारियां।
इकाई–4	**1. प्रारंभिक और उत्तर बाल्यावस्था –** 1.1 परिभाषा, आवष्यकता, विषेषता, महत्व, प्रभावीकारक। 1.2 शारीरिक और कियात्मक विकास। 1.3 सामाजिक और संवेगात्मक विकास। 1.4 संज्ञानात्मक विकास । 1.5 भाषा और नैतिक विकास। 1.6 आदत निर्माणः अर्थ, महत्व, विषेषता, प्रकार, बाल्यावस्था में अच्छी आदतों का निर्माण, आदत निर्माण का सिद्धांत।
	संदर्भ ग्रंथ – 1. डॉ.पांडेय सुधा, मानव विकास, साहित्य प्रकाषन आगरा। 2. डॉ.गणावा निवेदिता, मानव विकास, नित्या पब्लिकेषन, भोपाल। 3. डॉ.अग्रवाल नीता, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा। 4. गुप्ता रामाबाबू, बाल व्यवहार एवं विकास, रतन प्रकाषन मंदिर, आगरा। 5. डॉ.वर्मा प्रीति एवं श्रीवास्तव डी.एन., बाल व्यवहार एवं विकास, विनोद पुस्तक सदन, आगरा।